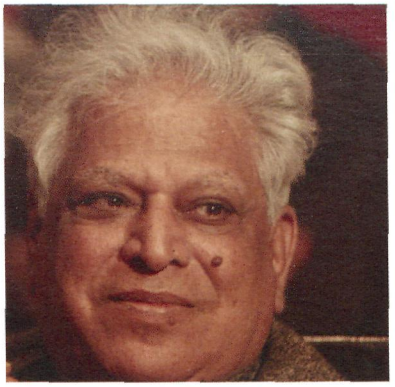

कमलाकर मुरलीधर सोनटक्के

अकादेमी पुरस्कार : निर्देशन (मराठी)

श्री कमलाकर सोनटक्के का जन्म 2 फरवरी 1939 को महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के वादोद चाथला गाँव में हुआ था। श्री सोनटक्के हिंदी तथा मराठी थियेटर जगत में सुप्रसिद्ध निर्देशक तथा अभिनेता होने के साथ–साथ प्रतिष्ठित कला प्रशासक भी हैं। आपने डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद से हिंदी में मास्टर डिग्री प्राप्त की और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली, जहां से आपने 1966 में डिप्लोमा प्राप्त किया था, में थियेटर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। एन.एस.डी. में आपके टीचरों में इब्राहिम अल्क़ाज़ी, नेमिचन्द्र जैन, शीला भाटिया, गोवर्धन पंचाल, और पंचानन पाठक जैसे प्रख्यात व्यक्तित्व थे। श्री सोनटक्के ने 1966 से 1968 तक स्कूल में भाषण, अभिनय तथा प्रोडक्शन सिखाया है। उसके बाद, आपने डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय में थियेटर विभाग स्थापित करने में सहयोग दिया था और 1972 से 1978 तक इस विभाग के अध्यक्ष रहे थे। बाद के वर्षों में, आपने दक्षिण केंद्रीय ज़ोन सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर (1986–1991) के निदेशक के रूप में सेवाएं प्रदान की और वे मुम्बई में नेहरू केन्द्र (1992–1999) के अध्यक्ष रहे।

श्री सोनटक्के ने हिंदी, मराठी, अंग्रेज़ी तथा गुजराती में चालीस से अधिक नाटकों का निर्देशन किया है। आपने बीस से अधिक नाटकों में अभिनय किया है। आपने कई प्रतिष्ठित तथा समकालीन नाटकों का अनुवाद किया है जैसे – विशाखादत्ता का *मुद्राराक्षस,* भासा का *मध्यमा व्यायोग,* तेंदुलकर का *खामोश! अदालत चालु आहे,* खानोलकर का *एक शून्य बाजीराव,* जी. शंकर पिल्लै का *शाराशयन,* मधुकर तोरडमल का *कृष्ण द्वीप,* और महेश ऐलकुंचवर का *सुलतान*। आपने हिंदी तथा मराठी पत्रिकाओं में थियेटर पर लिखा है और कला प्रस्तुति पर सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुत किए हैं। श्री सोनटक्के दिल्ली (1986) और मुम्बई (1989) में अपना उत्सव जैसे प्रमुख कला उत्सवों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। आप फ्रांस, मॉरीशस, जापान तथा यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) में भारत सरकार द्वारा आयोजित किए गए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों से भी जुड़े रहे हैं। आप थियेटरों तथा कला परिसरों की योजना तैयार करने तथा निर्माण में कई संस्थानों के सलाहकार हैं। श्री सोनटक्के ने ब्रिटिश काउंसिल फैलोशिप पर ब्रिटिश थियेटर का अध्ययन करने के लिए यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) की यात्रा की है।

थियेटर को दी गई उनकी सेवाओं के लिए, श्री सोनटक्के को महाराष्ट्र सरकार द्वारा कला गौरव पुरस्कार (2003) प्रदान किया गया है।

श्री कमलाकर सोनटक्के को भारतीय रंगमंच में एक निर्देशक के रूप में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।